

पंचक

सुनीलकी पांडी
उप सचिव,
सरकारी प्राप्ति शासन।

रोध में

महानिदेशक
सिंहिता राज्य स्वयं एव परिवार कल्याण
सरकारी प्राप्ति शासन।

विविध अनुभाग-5

देहरादून:

दिनांक 02 जनवरी, 2010

विषय- राज्य व्यापि निधि में धन आवंटन।

नामांक्य

प्रपर्युक्त विषयक उल्लेख पत्र सं-54/1/25/2009/46917 दिनांक 10.12.2009 एवं उत्र 50-54/8/3/2009-10/44721 दिनांक 09.12.2009 के सन्दर्भ में युद्ध यह कहने का गिरेग यहाँ है कि नीती रेखा के गोच और यात्रा करने वाले परिवारों की शोषणी को असाध्य एवं गम्भीर नियन्त्रियों की विफलता हेतु आर्थिक राहायत प्रदान करने हेतु राज्य संगठन 01080-15 पर अकेले विवरणानुसार कर 21.50 लाख (लपटे इकाई लाख पचास हजार रुपये) की धनराशि के पुनर्विनियोजन की रवैकृति की राज्यपाल बठ्ठीपथ नियालिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष रवैकृति प्रदान करते हैं ।

1. अनुग्रह एवं जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिये यह रवैकृति दी जा पड़ी है।
2. धनराशि व्यय राष्ट्रीय आरोप निधि के दिशा निर्देशों के अनुसार किया जायेगा।
3. अनुग्रह वर्ती नवी धनराशि का अधिग आहरण यथा आवश्यकता तभी किया जायेगा जब लम्बनित विफलता समस्याओं को बराहि निधि से धनराशि अर्थम देना आवश्यक है। रवैकृति अधिग का राज्यपाल विवरणानुसार नियन्त्रित राज्यान्तर्गत कर दिया जाना शुभिरिक्षत किया जायेगा।
4. इस लम्बन्य से होने व्यय विस्तीर्ण वर्ष 2009-10 के आप-व्यापक ने अनुदान राज्या-12 के सेवानीयक 2210-विविध तथा लोक राज्य-आयोजनागत 06-लोक राज्य-101-रोपी का विवरण तथा विवरण 01-कल्पीय आयोजनागत एवं कल्प द्वारा पुरानियानि बोजना 0106-स्टेट नियालिखित 20-राज्यक अनुदान/अनुदान/राज्य राहायत के नाम डाला जायेगा तथा 01080-15 की बताओं से यहाँ किया जायेगा।

महाराजा विलालिखित के अनु 50-709(p)/विलयन नियन्त्रण) अनुभाग-3/2009 दिनांक 07.01.2010 में ग्राप्त सहमति से पारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : व्याप्ति

मदर्दीय

(सुनीलकी पांडी)
उप सचिव

संख्या-1476(1)/XXVIII-5-2010-01/2006 तददिनांक

प्रतीलिपि नियालिखित को सुवर्णार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. प्रमुख नियम साँ युद्ध संजी ।
2. सहातीयाकार, सरकारी प्राप्ति शासन।
3. नियालिखित, कोषायार, सरकारी प्राप्ति शासन।
4. विलालिखित राज्य-स्वयं परिवार राज्यानि विभाग, सरकारी प्राप्ति शासन।
5. कोषायारी, देहरादून।
6. कल्प राज्यकारी, नियालिखित व संसाधन नियालिखित, नियालिखित, देहरादून।
7. विलालिखित (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-3/विलालिखित विभाग/एनआर्क्स/लो10।
8. गार्ड फाईल।

संलग्न : व्याप्ति

(सुनीलकी पांडी)
उप सचिव

ବିଶ୍ୱାସ ମାତ୍ରାରେ ଏହାପରିବାରରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

111

ପଦ୍ମଶିଳ୍ପୀ

ପାତ୍ରବିନ୍ଦୁ

वार्षिक - नं०५१/ लिपि अं०३/२०१५
देहांगदूर दिव्यांग या चान्दी, २०१०
पुस्तकालय द्वारा

१५८

महालक्ष्मी
कृष्णराजपूत जीवा एवं कुदराती
कृष्णराज

નોંધાયે ૦૧-૦૨-૨૦૧૪-૫-૨૦૧૫/૨૦૧૫ એન્ટે

ପାତ୍ରବିନ୍ଦୁ

१७८ फल्गु

卷之三

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

卷之三

15.12.2015

तिनीक लालामार त्वं तेषां कलावे छोलान्तर ।

1120

卷之三

੨੦